पाठ 5. देवदार की इच्छाएँ

पाठ का उद्देश्य

इस पाठ में देवदार वृक्ष की इच्छाओं के उदाहरण से बच्चों को यह बोध होगा कि लालच बुरी बला है। मनुष्य को अपने पास जो हो उसी में खुश रहना चाहिए। कहानी के वाचन से उनकी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी। कहानी पढ़ने से उन्हें अतिरिक्त शब्दों का ज्ञान होगा, इस प्रकार उनके भाषा-ज्ञान का विस्तार होगा।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों को पाठ का मौन वाचन करने को कहें।
- वाचन करने के बाद बच्चे पाठ पर आधारित प्रश्न निर्माण करेंगे।
- प्रश्न निर्माण करने के बाद उन्हें वे प्रश्न कक्षा में अपने मित्रों से पूछने को कहें। इस प्रकार वे आपस में तर्क करना सीखेंगे।
- बच्चे इस कहानी को कक्षा में पूर्ण हाव-भाव सहित सुना सकते हैं।

इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों में भाषा संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। वे इस कहानी को जब कक्षा में हाव-भाव सहित तथा पूर्ण उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगे तो इससे उनकी शारीरिक क्रिया संबंधी तथा संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को विस्तार मिलेगा। प्रश्न निर्माण करने, प्रश्न पूछने तथा उत्तर देने से उनकी सामाजिक कुशलता संबंधी तथा अंतर्मुखी विश्लेषण संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता को बढ़ावा मिलेगा।